Daily Current Affairs
30 July 2025

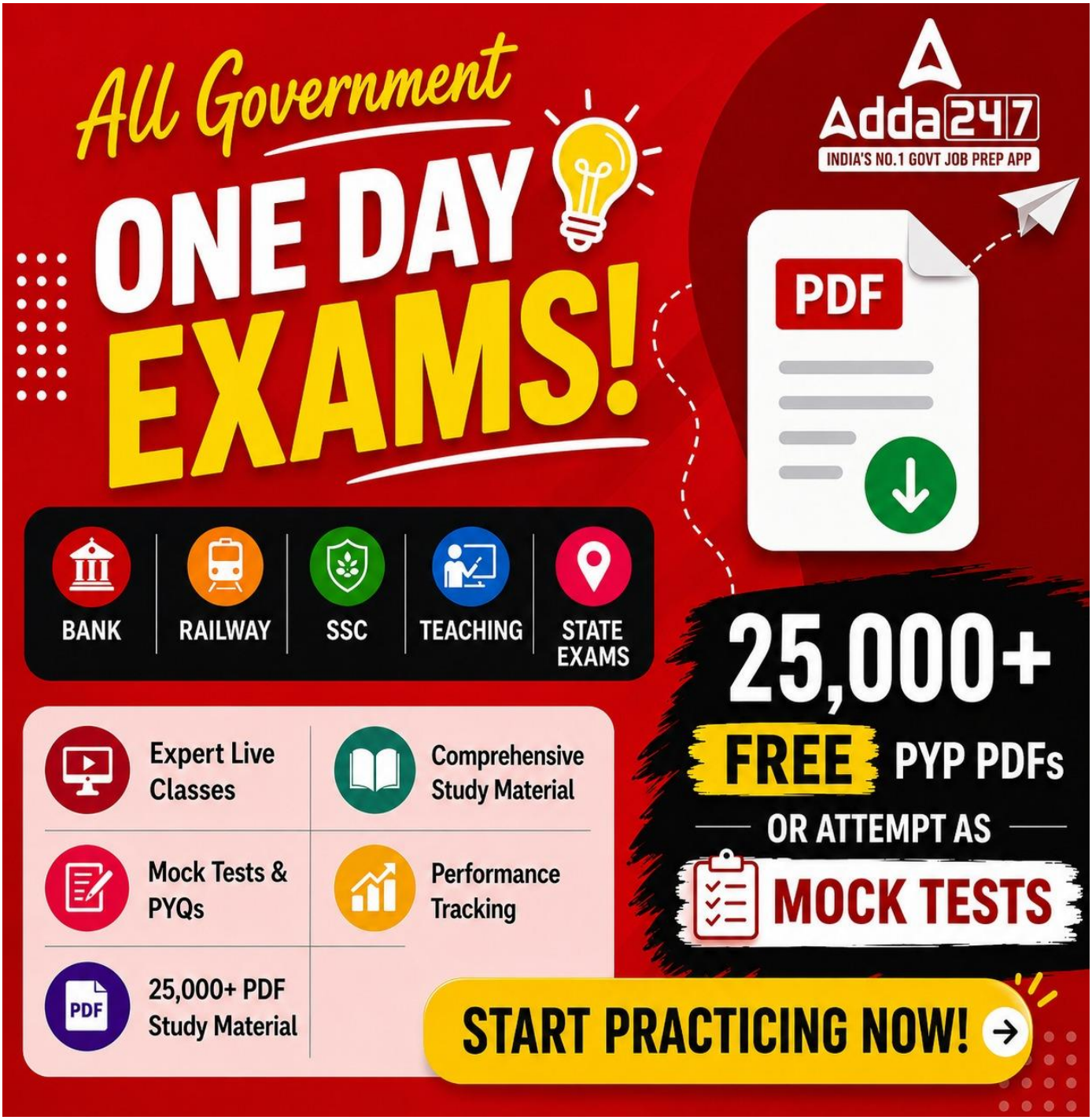

Daily Current Affairs Quiz 30 July 2026

Q1. यूनेस्को विश्व धरोहर समिति का 48वां सत्र कहाँ आयोजित किया गया था:
(a) पेरिस, फ्रांस
(b) नई दिल्ली, भारत
(c) टोक्यो, जापान
(d) बुसान, दक्षिण कोरिया
Ans.(d)
Sol. सही उत्तर (D) बुसान, दक्षिण कोरिया है
स्पष्टीकरण:
• यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र की मेजबानी बुसान, कोरिया गणराज्य (दक्षिण कोरिया) में की गई थी।
• विश्व धरोहर समिति उम्मीदवार स्थलों की समीक्षा करने, मौजूदा सूचीबद्ध स्थलों के संरक्षण की स्थिति की निगरानी करने और विश्व धरोहर सूची में परिवर्धन पर निर्णय लेने के लिए दुनिया भर के विभिन्न मेजबान शहरों में प्रतिवर्ष बैठक करती है।
• बुसान, दक्षिण कोरिया का दूसरा सबसे बड़ा शहर और एक प्रमुख समुद्री केंद्र, 48वें सत्र के दौरान अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, विरासत विशेषज्ञों और सरकारी मंत्रियों के लिए वैश्विक सभा स्थल के रूप में कार्य करता था।
• इस ऐतिहासिक सत्र के दौरान, सदस्य देशों ने अपने नामांकन डोजियर प्रस्तुत किए, जिसके परिणामस्वरूप दुनिया भर की अन्य प्रमुख प्राकृतिक और सांस्कृतिक संपत्तियों के साथ-साथ सारनाथ का सफल मूल्यांकन और शिलालेख हुआ।
• सत्र की मेजबानी अंतरराष्ट्रीय विरासत संरक्षण और सांस्कृतिक कूटनीति के प्रति दक्षिण कोरिया के सक्रिय नेतृत्व और प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालती है।
Information Booster:
• विश्व धरोहर समिति में विश्व सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से संबंधित कन्वेंशन में स्टेट्स पार्टीज की महासभा द्वारा चुने गए 21 स्टेट पार्टीज शामिल होते हैं।
• समिति के सदस्य छह साल तक के कार्यकाल के लिए काम करते हैं और 1972 के विश्व धरोहर कन्वेंशन को लागू करने के लिए जिम्मेदार होते हैं।
• यह समिति खतरे में विश्व धरोहर की सूची का भी प्रबंधन करती है, जो सशस्त्र संघर्ष, प्राकृतिक आपदाओं, प्रदूषण या अनियंत्रित शहरीकरण से खतरे वाले स्थलों की ओर अंतरराष्ट्रीय ध्यान और वित्तीय सहायता आकर्षित करती है।
• विभिन्न मेजबान देशों में समिति के सत्र आयोजित करने का निर्णय सदस्य देशों को अपनी घरेलू सांस्कृतिक विरासत और संरक्षण उपलब्धियों को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने प्रदर्शित करने की अनुमति देता है।
Additional Knowledge:
• पेरिस, फ्रांस (विकल्प A): यूनेस्को का आधिकारिक वैश्विक मुख्यालय, जहाँ नियमित प्रशासनिक बैठकें और महासभाएँ होती हैं।
• नई दिल्ली, भारत (विकल्प B): भारत मंडपम में जुलाई 2024 में यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के ऐतिहासिक 46वें सत्र की मेजबानी की।
• टोक्यो, जापान (विकल्प C): एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय केंद्र जिसने कई वैश्विक राजनयिक सम्मेलनों की मेजबानी की है, लेकिन 48वें विश्व धरोहर समिति के सत्र की नहीं।

Q2. यूनेस्को (UNESCO) विश्व धरोहर समिति के किस सत्र के दौरान सारनाथ को विश्व धरोहर स्थल के रूप में अंकित किया गया था?
(a) 46वां सत्र
(b) 47वां सत्र
(c) 48वां सत्र
(d) 49वां सत्र
Ans.(c)

Sol. सही उत्तर (C) 48वां सत्र है
स्पष्टीकरण:
• सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्थल को विश्व धरोहर समिति के 48वें सत्र के दौरान प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में आधिकारिक तौर पर अंकित किया गया था।
• विश्व धरोहर समिति ने विभिन्न सदस्य देशों द्वारा प्रस्तुत नामांकनों की जांच की और इसके उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य (OUV) के कारण सांस्कृतिक विरासत श्रेणी के तहत सारनाथ को शामिल करने को औपचारिक रूप से मंजूरी दी।
• सारनाथ की मान्यता बौद्ध शिक्षाओं के उद्गम स्थल और प्राचीन कला, मूर्तिकला और मठवासी वास्तुकला के एक प्रमुख केंद्र के रूप में इसके बेजोड़ वैश्विक ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाती है।
• व्यापक संरक्षण और प्रलेखन कार्य के बाद, भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा सफल नामांकन का नेतृत्व किया गया था।
• विश्व धरोहर सूची में शिलालेख सारनाथ को अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा, विरासत संरक्षण के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और एक प्रमुख तीर्थ और सांस्कृतिक गंतव्य के रूप में वैश्विक प्रचार प्रदान करता है।
Information Booster:
• पूर्ण मूल्यांकन पूरा करने से पहले, सारनाथ को जुलाई 1998 में 'प्राचीन बौद्ध स्थल, सारनाथ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश' शीर्षक के तहत भारत की यूनेस्को की अस्थायी सूची में रखा गया था।
• यूनेस्को के कठोर मानकों को पूरा करने के लिए, उम्मीदवार स्थलों को दस चयन मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करना चाहिए, जो प्रामाणिक अखंडता, प्रबंधन ढांचे और वैश्विक महत्व को प्रदर्शित करता हो।
• भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) सारनाथ के संरक्षित स्मारकीय क्षेत्र का प्रबंधन और रखरखाव करता है, जिसमें धमेख स्तूप, चौखंडी स्तूप, धर्मराजिका स्तूप के खंडहर और अशोक स्तंभ एन्क्लेव शामिल हैं।
• यूनेस्को विश्व धरोहर का दर्जा सतत विरासत पर्यटन, बुनियादी ढांचे के विकास और स्थानीय विरासत संरक्षण के लिए अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण के अवसरों को बढ़ावा देता है।
Additional Knowledge:
• 46वां सत्र (विकल्प A): जुलाई 2024 में नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया, जिसके दौरान भारत ने इतिहास में पहली बार विश्व धरोहर समिति के सत्र की मेजबानी की।
• 47वां सत्र (विकल्प B): 2025 में आयोजित किया गया, जिसके दौरान 48वें सत्र से पहले कई वैश्विक सांस्कृतिक और प्राकृतिक स्थलों की समीक्षा की गई और उन्हें सूची में जोड़ा गया।
• 49वां सत्र (विकल्प D): भविष्य की साइट समीक्षाओं के लिए निर्धारित यूनेस्को विश्व धरोहर समिति की आगामी वार्षिक सभा को संदर्भित करता है।

Q3. यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में निम्नलिखित में से कौन सी श्रेणियां शामिल हैं?
(a) केवल सांस्कृतिक संपत्तियां
(b) केवल प्राकृतिक संपत्तियां
(c) सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित संपत्तियां
(d) केवल पुरातात्विक स्थल
Ans.(c)
Sol. सही उत्तर (C) सांस्कृतिक, प्राकृतिक और मिश्रित संपत्तियां है
स्पष्टीकरण:
• यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची दुनिया भर में नामित साइटों को तीन अलग-अलग मुख्य श्रेणियों में वर्गीकृत करती है: सांस्कृतिक संपत्तियां, प्राकृतिक संपत्तियां और मिश्रित संपत्तियां।
• सांस्कृतिक संपत्तियां (श्रेणी 1): इसमें ऐतिहासिक स्मारक, वास्तुशिल्प उत्कृष्ट कृतियां, पुरातात्विक स्थल, प्राचीन शहर, औद्योगिक विरासत और मानव सरलता और ऐतिहासिक विकास द्वारा निर्मित सांस्कृतिक परिदृश्य शामिल हैं।
• प्राकृतिक संपत्तियां (श्रेणी 2): इसमें असाधारण प्राकृतिक घटनाएं, उत्कृष्ट भूवैज्ञानिक संरचनाएं, प्राचीन जंगल क्षेत्र, राष्ट्रीय उद्यान, जैविक विविधता हॉटस्पॉट और सार्वभौमिक संरक्षण महत्व के पारिस्थितिक तंत्र शामिल हैं।

• मिश्रित संपत्तियां (श्रेणी 3): ऐसे स्थल जो एक साथ सांस्कृतिक और प्राकृतिक दोनों मानदंडों को पूरा करते हैं, मानव सांस्कृतिक संपर्क और प्राकृतिक पर्यावरण मूल्य का एक असाधारण मिश्रण प्रदर्शित करते हैं।
• दुनिया भर में 1,200 से अधिक विश्व धरोहर स्थलों में से, विशाल बहुमत सांस्कृतिक श्रेणी से संबंधित है, इसके बाद प्राकृतिक स्थल हैं, जबकि मिश्रित संपत्तियां एक दुर्लभ और अद्वितीय चयन का प्रतिनिधित्व करती हैं।
Information Booster:
• सिक्किम में खांगचेंदज़ोंगा राष्ट्रीय उद्यान भारत का पहला और एकमात्र नामित 'मिश्रित' विश्व धरोहर स्थल है, जिसे इसकी पवित्र सांस्कृतिक परंपराओं और असाधारण पर्वतीय जैव विविधता के लिए 2016 में अंकित किया गया था।
• भारत के प्राकृतिक विश्व धरोहर स्थलों में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी और फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, पश्चिमी घाट और ग्रेट हिमालयन राष्ट्रीय उद्यान शामिल हैं।
• विश्व धरोहर सूची में शामिल होने के लिए, उम्मीदवार साइटों को विश्व धरोहर कन्वेंशन के कार्यान्वयन के लिए परिचालन दिशानिर्देशों में स्थापित दस चयन मानदंडों में से कम से कम एक को पूरा करना होगा।
• चयन मानदंड (i) से (vi) विशेष रूप से सांस्कृतिक संपत्तियों से संबंधित हैं, जबकि मानदंड (vii) से (x) विशेष रूप से प्राकृतिक संपत्तियों से संबंधित हैं।
Additional Knowledge:
• केवल सांस्कृतिक संपत्तियां (विकल्प A): गलत है, क्योंकि यूनेस्को सांस्कृतिक स्मारकों के साथ-साथ प्राकृतिक आवासों और पर्यावरणीय भंडारों की सक्रिय रूप से रक्षा करता है।
• केवल प्राकृतिक संपत्तियां (विकल्प B): गलत है, क्योंकि सांस्कृतिक विरासत विश्व स्तर पर अंकित स्थलों का सबसे बड़ा एकल अनुपात बनाती है।
• केवल पुरातात्विक स्थल (विकल्प D): गलत है, क्योंकि पुरातत्व सांस्कृतिक संपत्तियों के व्यापक वर्गीकरण के भीतर केवल एक उप-श्रेणी का प्रतिनिधित्व करता है।

Q4. सारनाथ को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में अंकित किया गया था:
(a) 25 जुलाई 2026
(b) 3 जुलाई 1998
(c) 1 जनवरी 2025
(d) 26 जुलाई 2026
Ans.(a)
Sol. सही उत्तर (A) 25 जुलाई 2026 है
स्पष्टीकरण:
• सारनाथ के प्राचीन बौद्ध स्मारक परिसर को 25 जुलाई 2026 को औपचारिक रूप से यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में अंकित किया गया था।
• भारत द्वारा प्रस्तुत नामांकन डोजियर के विस्तृत मूल्यांकन के बाद यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के सत्र की कार्यवाही के दौरान यह निर्णय लिया गया था।
• 25 जुलाई 2026 को शामिल किए जाने से भारत के सांस्कृतिक विरासत संरक्षण प्रयासों में एक शानदार अध्याय जुड़ गया, जिससे सारनाथ को उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य के विश्व स्तरीय स्मारक के रूप में मान्यता मिली।
• सारनाथ दो सहस्राब्दियों से अधिक समय तक फैले प्राचीन बौद्ध स्तूपों, मठवासी परिसरों, पॉलिश किए गए मौर्य स्तंभ शीर्ष और शास्त्रीय गुप्त-युग के संरचनात्मक अवशेषों के एक अनूठे समूह का प्रतिनिधित्व करता है।
• यह तिथि उत्तर प्रदेश राज्य और संस्कृति मंत्रालय के लिए एक स्मारकीय मील का पत्थर है, जो वाराणसी के सांस्कृतिक परिदृश्य को अंतरराष्ट्रीय मान्यता के उच्चतम स्तर पर ले जाती है।
Information Booster:
• सारनाथ ने सम्राट अशोक के अधीन तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व से 12वीं शताब्दी ईस्वी तक लगातार बौद्ध शिक्षा, कला और मठवासी जीवन के एक सक्रिय केंद्र के रूप में कार्य किया।

• इस स्थल ने गुप्त काल (चौथी-छठी शताब्दी ईस्वी) के दौरान प्रसिद्ध सारनाथ कला शैली को जन्म दिया, जो अपनी नाजुक रूपरेखा और आध्यात्मिक भावों की विशेषता वाली शांत, सुंदर बुद्ध छवियों के निर्माण के लिए प्रसिद्ध है।
• 1905 में सारनाथ में खुदाई के दौरान खोजे गए अशोक के प्रसिद्ध सिंह स्तंभ शीर्ष में चार एशियाई शेर एक-दूसरे की ओर पीठ किए हुए खड़े हैं, जो साहस, शक्ति, आत्मविश्वास और गौरव के प्रतीक हैं।
• शेरों के नीचे एक एबेकस (फलक) है जिसमें चार नक्काशीदार जानवर (हाथी, घोड़ा, बैल, शेर) हैं जिन्हें 24 तीलियों वाले चक्र प्रतीकों (धर्मचक्र) द्वारा अलग किया गया है, जो भारतीय राष्ट्रीय ध्वज पर केंद्रीय चक्र बनाता है।
Additional Knowledge:
• 3 जुलाई 1998 (विकल्प B): ऐतिहासिक तिथि जब सारनाथ को आधिकारिक तौर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की भारत की अस्थायी सूची में रखा गया था।
• 1 जनवरी 2025 (विकल्प C): राष्ट्रीय संरक्षण योजना में एक ऐतिहासिक तिथि, लेकिन सारनाथ के शिलालेख की तिथि नहीं।
• 26 जुलाई 2026 (विकल्प D): 2026 में चल रही विरासत समिति की गतिविधियों के साथ, विश्व स्तर पर और राष्ट्रीय स्तर पर कारगिल विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

Q5. सारनाथ के शिलालेख के साथ, भारत में अब कितने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं?
(a) 43
(b) 44
(c) 46
(d) 45
Ans.(d)
Sol. सही उत्तर (D) 45 है
स्पष्टीकरण:
• विश्व धरोहर सूची में सारनाथ के औपचारिक शिलालेख के साथ, भारत के यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की कुल संख्या 45 तक पहुंच गई।
• कुल विश्व धरोहर स्थलों के मामले में भारत विश्व स्तर पर शीर्ष देशों में से एक है, जो इसके गहरे इतिहास, वास्तुशिल्प समृद्धि और प्राकृतिक जैव विविधता को दर्शाता है।
• भारत के 45 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से विशाल बहुमत सांस्कृतिक स्थलों का है, जिसमें प्रमुख प्राकृतिक स्थल और एक मिश्रित स्थल (खांगचेंदज़ोंगा राष्ट्रीय उद्यान) शामिल है।
• भारत की यूनेस्को विश्व धरोहर शिलालेखों की यात्रा 1983 में शुरू हुई थी जब चार प्रतिष्ठित स्मारकों को एक साथ जोड़ा गया था: आगरा का किला, अजंता की गुफाएँ, एलोरा की गुफाएँ और ताजमहल।
• सारनाथ का समावेश अमूल्य प्राचीन आध्यात्मिक, वास्तुशिल्प और शैक्षिक विरासत के संरक्षक के रूप में भारत की वैश्विक स्थिति को मजबूत करता है, जो शांति और ज्ञान के शाश्वत संदेश का जश्न मनाता है।
Information Booster:
• इटली, चीन, जर्मनी, फ्रांस और स्पेन विश्व स्तर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की सबसे अधिक संख्या वाले प्रमुख देशों में से हैं, कुल पदनामों में भारत इसके करीब है।
• विश्व धरोहर सूची में हाल ही में शामिल भारतीय स्थलों में मोइदम्स - असम में अहोम राजवंश की टीला-दफन प्रणाली (2024 में 46वें सत्र में अंकित), पश्चिम बंगाल में शांतिनिकेतन और कर्नाटक में होयसलों के पवित्र समूह शामिल हैं।
• भारत वर्तमान में आगामी वार्षिक समीक्षा चक्रों में विचार के लिए यूनेस्को को प्रस्तुत 50 से अधिक संभावित सांस्कृतिक और प्राकृतिक संपत्तियों की एक विस्तृत अस्थायी सूची रखता है।
• केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI), विश्व धरोहर स्थल के नामांकन प्रस्तुत करने और देश भर में संरक्षित स्मारकों को बनाए रखने के लिए प्राथमिक नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है।
• विश्व धरोहर सूची में शिलालेख साइटों को अंतरराष्ट्रीय संरक्षण वित्त पोषण, विशेष तकनीकी सहायता, वैश्विक संरक्षण विशेषज्ञता और उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल तक पहुंच प्रदान करता है।

Additional Knowledge:

• 43 (विकल्प A): हाल ही के यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के सत्रों के दौरान किए गए परिवर्धन से पहले भारत की कुल गिनती का प्रतिनिधित्व करता है।

• 44 (विकल्प B): 2024 में असम के अहोम मोइदम्स के ऐतिहासिक शिलालेख के साथ 46वें सत्र के बाद पहुंचे मील के पत्थर को संदर्भित करता है।

• 46 (विकल्प C): एक प्रत्याशित आगामी मील के पत्थर के कुल को दर्शाता है क्योंकि भारत अपनी व्यापक अस्थायी सूची से संपत्तियों को व्यवस्थित रूप से नामित करना जारी रखता है।